जितनी तारीफ करूं उतनी कम

आज भी मुझे अपना गांव याद आता है। याद आते हैं वो दिन और रात जो मुश्किलों में गुजारे थे। लंबी जद्दोजहद की इस मुकाम को पाने के लिए। इसी बीच लगा कि कुछ अलग करना चाहिए, कुछ समाज के लिए करना चाहिए, कुछ वंचितों के लिए करना चाहिए। इसे मेरा सौभाग्य कहें या संयोग कि राजस्थान के दौरे के दौरान दाती महाराज का आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मैं पाली जिले के आलावास स्थित आश्वासन बाल ग्राम पहुंचा था।

यहां दाती महाराज के निर्देशन में चल रहे गुरुकुल आश्वासन बाल ग्राम को देखकर मन भावविभोर हो गया। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि कोई अनाथ और सहाय बच्चों के लिए स्कूल का संचालन कर सकता है। भव्य और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित गुरुकुल का स्कूल वास्तव में सर्वांगीण विकास की पहली सीढ़ी है। बस इसके बाद तो मैं बाबा का कायल हो गया और मुझे जीवन में बहुत दूर तक की दृष्टि मिलती चली गई। साधारण और सरल व्यक्तित्व के घनी गुरुजी के बारे में जितनी तारीफ करूं उतनी कम है। अद्भुत आकर्षण उनके व्यक्तित्व में है, उनके विचारों में है, उनके क्रियाकलापों में है और यह सब समर्पित है , इस देश को, इस समाज को, वंचितों को, पेड़ों को, पक्षियों को। बाबा हमेश कहते हैं, ज्यादा सोचने विचारने की जरूरत नहीं है। बस बात और क्रियाकलाप की गहराई इतनी हो कि समाज को फायदा हो, वंचितों का कल्याण हो और देश का चहुंमुखी विकास हो। बाबा जी के बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है मेरे पास। कई किताबें लिख सकता हूं, उनके व्यक्तित्व के बारे में, उनके जनकल्याण के कार्यों के बारे में, उनकी समाज सुधार की मुहिम के बारे में, उनके पर्यावरण को बचाने के अभियान के बारे में पर कहते हैं बात जितनी छोटी और गहरी हो, उतनी अच्छी। यह छोटी बात है, बेजुबानों के दिल की बात जान लेते हैं गुरुजी। क्या पौधे, क्या पक्षी, क्या पहाड़, क्या जंगल, क्या बच्चे और क्या बुजुर्ग सब की तो सुध ली है बाबा ने। उनके नेतृत्व में ही तो श्रीशनिधम ट्रस्ट, गुरुकुल आश्वासन बाल ग्राम, शनिधाम गौशाला, शनिधाम पक्षीधाम, दाती सुमंगला योजना, दाती गरीब कार्ड योजना और दाती संकटमोचन योजना के जरिये समाज सेवा संभव हो सकी है।

ललित के पंवार (सीएमडी आईटीडीसी)

मैं एक दशक से दाती महाराज से जुड़ा हूं। उनके हाथ हमेशा लोगों को देने के लिए खुलते हैं। उन्होंने कभी भी संग्रह नहीं किया। सब कुछ लोगों को सौंप दिया। पिछले साल राजस्थान में बाढ़ के दौरान मैं उनके साथ था। वे बेपरवाह होकर खुद गहरे पानी में उतरे और लोगों को सांत्वना के साथ-साथ भोजन भी उपलब्ध कराया।

पुष्प जैन, *(पूर्व सांसद, पाली)*

गौसेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं हो सकती है। दाती महाराज ने आधुनिक गौशालों का निर्माण करा कर सार्थक प्रयास किया है। पिछले सालों में अकाल के दौरान दाती महाराज ने सैकड़ों ट्रक चारा बेजुबान जानवरों के लिए उपलब्ध कराया है।

राजेंद्र सिंह राजपुरोहित, *(अध्यक्ष, गौसेवा आयोग, राजस्थान)*